

108

आर०गी०नाक्षी सुन्दरम,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 16, फरवरी 2017

विषय: राज्य पशु चिकित्सा परिषद का गठन (50 प्र०के०स०) योजनान्तर्गत धनराशि आवंटन के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-4981/नि०-5/एक(1)/वै०काउ०/2016-17 दिनांक 27 जनवरी, 2017 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में राज्य पशु चिकित्सा परिषद का गठन (50 प्र०के०स०) योजनान्तर्गत भारत सरकार द्वारा पुनर्वैध की गई धनराशि ₹9000.00 हजार (नौ हजार मात्र) के सापेक्ष 50 प्रतिशत राज्यांश की धनराशि ₹9000.00 हजार (नौ हजार मात्र) सहित कुल धनराशि ₹18000.00 हजार (अठारह हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर निम्न विवरणानुसार प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

| (धनराशि ₹ लाख में) | | | | |
|--------------------|------------------------------|-----------------------|---------------------|--------------------|
| क्र० सं० | मद का विवरण | 50 प्रतिशत केन्द्रांश | 50 प्रतिशत राज्यांश | कुल अवमुक्त धनराशि |
| 1 | 08-कार्यालय व्यय | 0.5 | 0.5 | 0.10 |
| 2 | 27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति | 0.15 | 0.15 | 0.03 |
| 3 | 42-अन्य व्यय | 0.25 | 0.25 | 0.05 |
| | योग | 0.90 | 0.90 | 0.18 |

- (1) धनराशि का व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा आहरण वितरण अधिकारी धनराशि की फाँट कर उसकी प्रति शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।
 - (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-8 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
 - (3) इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
2. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26 जुलाई, 2016 में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

3. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य -01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं-0110-राज्य पशु चिकित्सा परिषद का गठन (50 प्रतिशत केन्द्र पोषित) योजनान्तर्गत सुसंगत इकाईयों के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।

भवदीय,

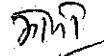
(आर०मीनाक्षी सुन्दरम)
सचिव

संख्या- 135 (1)/XV-1/2017 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
4. निदेशक, एन.आई.सी. सचिवालय देहरादून।
5. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(मायावती ढकरियाल)
संयुक्त सचिव